



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, ४ अक्टूबर, १९९६/१२ अश्विन, १९१८

हिमाचल प्रदेश सरकार

गाहरी विकास विभाग

अधिसूचना

शिमला २, १९ मितम्बर, १९९६

संख्या एल० एस० जी०-ए-(३)६/९४.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, १९९४ (१९९४ का १२) की धारा ३१(१)(ट) के साथ पठित धारा ३६ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य निर्वाचन आयोग के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

१. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश नगर निगम (महापौर और उप-महापौर के पद के आरक्षण और निर्वाचन) नियम, १९९६ है।

(२) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—(1) इन नियमों में जब तक मन्दर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 (1994 का 12) अभिप्रेत है ।

(ख) “पार्षद” से हिमाचल प्रदेश नगर निगम का पार्षद अभिप्रेत है ।

(ग) “वर्ष” से निगम की पहली बैठक की तारीख से गणित एक वर्ष तथा तत्पश्चात् प्रत्येक वर्ष के अवसान की तारीख से एक वर्ष अभिप्रेत है ।

(2) उन सब शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं, किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वे ही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं ।

3. महापौर के पदों का आरक्षण और उनके चक्रानुक्रम—(1) महापौर के चुनाव के लिए आरक्षण निम्न लिखित प्रकार से होगा :—

प्रथम वर्ष	.. सामान्य
द्वितीय वर्ष	.. महिलाओं के लिए आरक्षित
तृतीय वर्ष	.. अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित
चतुर्थ वर्ष	.. अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित
पांचवें वर्ष	.. महिलाओं के लिए आरक्षित :

परन्तु यह और है कि यहां उपरोक्त निर्दिष्ट किसी वर्ग के व्यक्तियों की जनसंख्या निगम क्षेत्र की कुल जनसंख्या के 15 प्रतिशत से कम है, वहां महापौर का पद उस वर्ग के लिए आरक्षित नहीं होगा ।

(2) उप-नियम (1) में दिए गए आरक्षण क्रम की निगम के प्रत्येक आम चुनाव के पश्चात् पुनरावृत्ति होगी ।

4. निर्वाचित पार्षदों को शपथ दिलाना—(1) हिमाचल प्रदेश नगर निगम (निर्वाचन) नियम, 1996 के नियम 68 के अधीन पार्षदों के परिणामों की घोषणा के पश्चात् निदेशक, अधिनियम की धारा 33 के अधीन नगर निगम के निर्वाचित पार्षदों को भारत के संविधान के प्रति निष्ठा के प्रतिज्ञान हेतु प्रथम बैठक के लिए सात दिन का समय देकर भव निर्वाचित पार्षदों को लिखित रूप में सूचना जारी करते हुए तारीख और समय नियत करेगा, परन्तु ऐसी सूचना निर्वाचित पार्षदों को ऐसी बैठक से कम से कम 48 घण्टे पूर्व दी जाएगी। यह बैठक निगम के कार्यालय में होगी ।

(2) उप-नियम (1) के अधीन नियत तारीख और समय को निदेशक, प्रत्येक निर्वाचित पार्षद को भारत के संविधान के प्रति निष्ठा का प्रतिज्ञान करवाने और शपथ लेने के लिए बुलाएगा ।

5. महापौर का निर्वाचन—(1) नियम 4 के अधीन निर्वाचित पार्षदों द्वारा शपथ लेने या निष्ठा की प्रतिज्ञान कराया जाने के तुरन्त पश्चात्, या अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (2) के अधीन प्रत्येक पदावधि के अवसान से पूर्व, निदेशक बैठक बुलाएगा और महापौर के पद के निर्वाचन के संचालन की बैठक की अध्यक्षता करेगा ।

(2) महापौर के निर्वाचन के लिए बैठक की गणपति कुल निर्वाचित पार्षदों का तीन चौथाई होगी । यदि गणपति पूरी न हो, तो बैठक की अध्यक्षता करने वाले निदेशक, बैठक की अगली तारीख तक जो इस प्रथम बैठक के दिन से तीन दिन से बाद नहीं होगी, स्थगित करेगा । स्थगित की गई बैठक के लिए कोई गणपति आवश्यक नहीं होगी ।

(3) यदि पद के लिए केवल एक ही अभ्यर्थी का प्रस्ताव किया जाता है, तो वह ऐसे अभ्यर्थी को उक्त के लिए सम्यक् रूप से निर्वाचित घोषित करेगा।

(4) यदि अभ्यर्थियों की संख्या एक से अधिक है तब ही मतदान किया जाएगा।

(5) महापौर के निर्वाचन में प्रयोग होने वाला मत पत्र प्ररूप 1 में होगा और उसमें दशित विवरण हिन्दी देवनागरी लिपि में होगा।

6. महापौर के निर्वाचन के लिए मतदान की रीति.—(1) महापौर के निर्वाचन में मतदान निम्नलिखित प्रकार से किया जायेगा:—

(क) पार्षदों को मतपत्र जारी करने से पूर्व निदेशक इसके पीछे सुभिन्न चिन्ह के रूप में अपने हस्ताक्षर करेगा।

(ख) मतपत्र की प्राप्ति पर पार्षद उस अभ्यर्थी के नाम के सामने गुणा (X) का चिन्ह लगाएगा जिसको वह अपना मत देना चाहता है।

(ग) गुणा (X) का निशान लगाने के पश्चात् पार्षद मतपत्र को इस प्रकार मोड़ेगा कि उसका मत छुप जाए, और

(घ) पार्षद मोड़े हुए मतपत्र को निदेशक जो पीठासीन अधिकारी के रूप में कार्यरत है के सामने इस प्रयोजन के लिए मतपेटी में डालेगा।

(2) मतदान समाप्त हो जाने के पश्चात् पीठासीन अधिकारी मतपेटी को खोलेगा और पार्षदों की उपस्थिति में उन मतों की गणना करेगा।

स्पष्टीकरण:— इस तथ्य को जानने के लिए कि डाला गया मत विधिमाम्य है, या अविधिमाम्य है, हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम (निर्वाचन) नियम, 1996 के नियम 68 के उपबन्ध लागू होंगे।

(3) जिस अभ्यर्थी के पक्ष में सबसे अधिक विधिमाम्य मत पड़ेंगे वह उस पद के लिए निर्वाचित घोषित किया जायेगा। परन्तु यदि मतपत्रों की गणना के पश्चात् अभ्यर्थियों ने एक समान मत पत्र प्राप्त किये हों और इसमें कोई भी अभ्यर्थी एक मत की बढ़ीतरी से निर्वाचित घोषित होने का हकदार हो सकता हो, तो (भाग्य पत्र डालकर किया जाएगा और जिस अभ्यर्थी के पक्ष में भाग्य पत्र निकलेगा उसे एक और मत डाला समाप्त जाएगा और वह सम्यक् रूप से निर्वाचित घोषित किया जाएगा।

(4) इस मतदान में प्रयोग किये गए सभी मतपत्र एक भूखंड लिफाफे में बन्द किये जायेंगे जिसे पीठासीन अधिकारी उपस्थित पार्षदों के सक्षम मोहरबन्द करेगा वह उस पर निर्वाचन जिससे मतपत्र सम्बन्धित है का विवरण उस पर अंकित करेगा। आयुक्त, नगर निगम लिफाफे को अपने कार्यालय में या इस अन्य स्थल पर जहाँ वह लिखित रूप में विनिर्दिष्ट करेगा। निर्वाचन तारीख से एक वर्ष की समाप्ति तक परिरक्षित रखेगा, और तत्पश्चात् सक्षम न्यायालय या राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिकूल के लिए दिये गए किसी निर्देश के अन्वये रहने हुए वह इसे इसकी अन्तर्वस्तु सहित, ऐसी रीति से जिसे वह उचित समझे, नष्ट करवाएगा।

(5) निदेशक, राज्य सरकार तथा राज्य निर्वाचन आयोग को सूचना तथा अभिलेख के लिए प्ररूप-II में निर्वाचन की विवरणी तैयार करेगा और भजेगा।

(6) राज्य सरकार उप-नियम (5) के अधीन निर्वाचन विवरणी की प्राप्ति पर महापौर के निर्वाचन को अधिसूचित करेगी और उसकी ऐसी प्रति राज्य निर्वाचन आयोग को भजेगी।

7. उप महापौर के निर्वाचन.—महापौर के निर्वाचन के पश्चात् निदेशक, इन नियमों के नियम 5 तथा 6 के अधीन महापौर के निर्वाचन के लिए यथा उपबन्धित रीति में उप-महापौर के पद के लिए निर्वाचन करवायेगा।

8. महापौर या उप महापौर की आकस्मिक रिक्तियाँ.—जब किसी महापौर या उप महापौर की मृत्यु, त्यागपत्र या हटाए जाने के कारण कोई रिक्ति हो जाती है और इसके स्थान पर महापौर/उप महापौर का निर्वाचन किया जाना हो तो ऐसा निर्वाचन यथाशक्य शीघ्र महापौर/उप महापौर के लिए इन नियमों में विहित रीति में संचालित करवाया जाएगा। परन्तु ऐसी रिक्ति पर भरे गए व्यक्ति के पद की अवधि उस पद की शेष अवधि के लिए होगी।

9. निर्वाचन याचिकाएँ.—नगर निगम के महापौर और उपमहापौर के पद के निर्वाचन से सम्बन्धित निर्वाचन याचिकाएँ और अपीलें उसी प्रकार प्रस्तुत की जाएंगी और निपटाई जाएंगी जिस प्रकार हिमाचल प्रदेश नगर निगम निर्वाचन नियम, 1996 के अध्याय 7 और नियम 75 से 81 के अधीन नगर निगम के पार्षदों के पद के सम्बन्ध में प्रस्तुत की जाती है और निपटाई जाती है।

10. निरसन और व्यावृत्ति.—हिमाचल प्रदेश नगर निगम (निर्वाचन) नियम, 1985 के नियम 82 से 85 का एतद्वारा निरसन किया जाता है, परन्तु ऐसे निरसित नियमों के अधीन किए गए किसी आदेश या की गई कोई कारवाई इन नियमों के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन विधिमान्य रूप से की गई समझी जाएगी।

प्ररूप-I

[नियम 5(5) देखें]

महापौर/उप महापौर के निर्वाचन के लिए मतपत्र

नगर निगम का नाम

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	पद जिसके लिए लड़ रहा	निशान के लिए स्थान
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			
4.			

प्ररूप-II

[नियम 6(5) तथा नियम 7 देखें]

नगर निगम महापौर/उप महापौर के निर्वाचन का विवरण।

1. क्रम संख्या
2. अभ्यर्थी का नाम

3. कुल डाले गये मतों का योग.....
4. अस्वीकृत मतों की संख्या.....

मैं घोषणा करता हूँ कि (नाम)
 (पता) उपर्युक्त नगर निगम
 लिए महापौर/उप महापौर के रूप में सम्यक् रूप से निर्वाचित किया गया है।

स्थान:

तारीख :

निदेशक।

अदेश द्वारा,
 पी० ए० राणा,
 वित्तियुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. LSG-A (3) 6/94, dated the 19th September, 1996, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th September, 1996

No. LSG-A(3)6/94.— In exercise of the powers vested in him under section 36 read with section 31(1) (k) of the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1994 (Act No.12 of 1994) the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the State Election Commission, is pleased to make the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Municipal Corporation (Reservation and Elections to the office of Mayor and the Deputy Mayor) Rules, 1996.

(2) These shall come into force at once.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) “Act” means Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1994 (Act No. 12 1994).
- (b) “Councillor” means a member of the Corporation.
- (c) “Year” mean year reckoned from the date of first meeting of the Corporation and from the date of expiry of every year thereafter;

(2) The words and expressions used in these rules, but not defined, shall have the same meanings as are assigned to them in the Act.

3. Reservation and rotation of the office of Mayor.—(1) The reservation for the office of Mayor shall be as under :—

1st year	.. General
2nd year	.. reserved for Women

୩rd year	reserved for S.C's.
୪th year	reserved for S.T's.
୫th year	reserved for Women :

Provided that where the population of any class of persons referred to above is less than fifteen per cent of the total population of the Corporation area, the office of Mayor shall not be reserved for that class.

(2) The order of reservation given in sub rule (1) shall be repeated after every general election of the Corporation.

4. *Administration of oath to the elected Councillors.* - (1) After the results of election of Councillors have been declared under rule 68 of Orissa Municipal Corporation (Election) Rules, 1996, the Director shall fix a date and time for making an oath or subscribing an allegiance to the Constitution of India to the elected Councillors of the Municipal Corporation under section 38 of the Act by issuing notice in writing to the newly elected Councillors giving seven days time for the first meeting, provided that such notice shall be given to the elected Councillors atleast 48 hours before such meeting. This meeting shall be held at the office of the Municipal Corporation.

(2) On the date and time fixed under sub rule (1) the Director shall call each elected Councillor to take an oath or subscribe and affirmation of allegiance to the Constitution of India.

5. *Election of Mayor.* (1) Immediately after an oath is taken or an allegiance is subscribed by the elected Councillors under rule 4, or before the expiry of each term of office under sub-section (2) of section 36 of the Act, the Director shall convene the meeting and shall preside over the meeting for the conduct of election to the office of the Mayor.

(2) Quorum for the meeting for the election of Mayor shall be 1/4th of the total elected Councillors. In case the quorum is not complete, the Director presiding over the meeting shall postpone the meeting to a later date not being more than three days from the day of its first meeting. For the postponed meeting no quorum shall be necessary.

(3) If only one candidate for the office is proposed, he shall declare such a candidate as duly elected to fill the said office.

(4) If there are more candidates then the poll shall be held.

(5) Ballot paper to be used at the election of the Mayor, shall be in Form-I and the particulars therein shall be in Hindi Devnagri script.

6. *Method of voting at the election of Mayor.* (1) The procedure of voting at the election of Mayor shall be as under :-

- before issuing the ballot paper to the Councillors, the Director, shall put his signatures on the back of each ballot paper in token of distinguishing mark;
- the Councillor on receipt of the ballot paper, shall make a cross (X) against the name of the candidate for whom he intends to vote;
- after marking cross, the Councillor shall fold the ballot paper so as to conceal his vote; and
- the Councillor shall insert the folded ballot paper into the ballot box kept for the purpose in front of the Director functioning as the Presiding Officer.

(1) After polling is over, the Presiding Officer shall open the ballot box and shall, in the presence of the Councillors, count the votes.

Explanation. For determining whether a vote polled is valid or invalid the provisions of rule 68 of the Himachal Pradesh Municipal Corporation (Election) Rules, 1986, shall apply.

(3) A candidate obtaining largest number of valid votes shall be declared to be elected to fill the office.

Provided that if, after the counting of the votes he is found to exist between any candidates and the addition of one vote will entitle any of these candidate to be declared elected, that shall forthwith be decided between these candidates by lot, and the candidate on whom the lot falls shall be considered to have received an additional vote and shall be declared to be duly elected.

(4) All ballot papers used for such voting shall be put in a stout envelope and sealed by the Presiding Officer in full view of the Councillors present there and the description of the election to which the ballot papers relate shall be inscribed thereon. The Commissioner, Municipal Corporation, shall preserve the envelope, intact either in his office or at such other place as he may specify in writing until the expiry of one year from the date of election and shall then subject to any direction to the contrary given by the competent court or the State Election Commission cause it to be disposed off with its contents in such manner as he may deem fit.

(5) The Director, shall prepare and forward the return of election in Form-II to the State Government as well as to the State Election Commission for information and record.

(6) The State Government on receipt of the election return under sub-rule (5) shall notify the election of the Mayor and forward a copy of the same to the State Election Commission.

7. *Election of the Deputy Mayor.*—After the election of the Mayor, the Director, shall hold the election to the office of the Deputy Mayor in the same manner as provided for the election of Mayor under rules 5 and 6 of these rules.

8. *Casual vacancies of the Mayor or Deputy Mayor.* When a vacancy occurs by death, resignation or removal of the Mayor/Deputy Mayor and a new Mayor/Deputy Mayor is to be elected in his place, such election shall be conducted in the manner prescribed in these rules for the election of Mayor/Deputy Mayor as early as possible :

Provided that the term of office of the person elected to fill up such a vacancy shall be for the remainder period of that office.

9. *Election petitions.*—Election petitions and appeals thereof in relation to the offices of Mayor and Deputy Mayor in the Municipal Corporation shall be presented and dealt with in the same manner as the election and appeals in relation to the office of Councillors in Municipal Corporation is presented and dealt with under Chapter VII and rules 75 to 81 of the Himachal Pradesh Municipal Corporation (Election) Rules, 1986.

10. *Repeal and savings.*—The rules 82 to 80 of the Himachal Pradesh Municipal Corporation (Election) Rules, 1985, are hereby repealed;

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been validly made or taken under the corresponding provisions of these rules.

FORM-I

[(See rule 5 (5))]

BALLOT PAPER FOR THE ELECTION OF MAYOR/DEPUTY MAYOR

Name of the Municipal Corporation _____.

Sr. No.	Name of candidate	Office for which contesting	Space for marking
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			
4.			

FORM-II

[See rule 6 (5) and rule 7]

RETURN OF ELECTION OF MAYOR/DEPUTY MAYOR

Municipal Corporation.

1. Serial number _____
2. Name of candidate _____
3. Total number of votes polled _____
4. Total number of rejected votes _____

I declare that _____ (name) _____
 _____ (address) _____ has been duly elected as Mayor/Deputy
 Mayor to above Municipal Corporation.

Director.

By order,

P. S. RANA,

Financial Commissioner-cum-Secretary.

Place.....

Date.....